"Knowledge Scholar"
An International Peer Reviewed E-Journal Of Multidisciplinary Research
Volume: 03, Issue: 05, Sept. – Oct. 2016 eISSN NO. 2394-5362
Impact Factor (IIFS) - 0.776

सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा

बृज भूषण मिश्रा
लाइब्रेरियन
गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान झूसी इलाहाबाद उत्तर प्रदेश भारत

प्रवीन कुमार पाण्डेय
अतिथि प्रवक्ता
बाबू जय शंकर गया प्रसाद पी0जी0 कालेज सुमेरपुर उन्नाव उत्तर प्रदेश भारत

रवी शंकर केसरवानी
विद्यार्थी
नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद उत्तर प्रदेश भारत

सारांश

पिछले कुछ दशकों से प्रौद्योगिकी में हर संभव मार्ग से हमारे जीवन को पूरी तरह बदल दिया है भारत एक सफल सूचनाओं और संचार प्रौद्योगिकी से संज्जित राष्ट्र होने के नाते सदैव सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अत्यधिक बल देता रहा है न केवल अच्छे शासन क लिये बल्कि अर्थव्यथा के विविध क्षेत्रो जैसे स्वास्थ्य कृषि और शिक्षा आदि के लिये भी शिक्षा निःसंदेह एक देश की मानव पूँजी के निर्माण में किये जाने वाले सर्वोधिक महत्वपूर्ण निवेशों मे से एक और एक ऐसा माध्यम है जो न केवल अच्छे साक्षर नागरिकों को दृढता है बल्कि एक राष्ट्र को तकनीकि रूप से नवाचारी भी बनाता है और इस प्रकार आर्थिक वृद्धि की दिशा में मार्ग प्रसस्त होता है भारत में ऐसे अनेक कार्यक्रम और योजनायें जैसे मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा सर्वशिक्षा अभियान राष्ट्रीय साक्षरता अभियान आदि शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिये सरकार द्वारा आरंम्भ किये गये है हाल के वर्षो में इस बात में काफी रूचि रही है कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को शिक्षा के क्षेत्र में कैसे उपयोग किया जा सकता है सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की सहायता से छात्र अब की पुस्तकें परीक्षा के नमूने वाले प्रश्नपत्र पिछले वर्षो के प्रश्नपत्र आदि देखने के साथ संसाधन व्यक्तियों मेटर विशेषज्ञो शोधकर्ताओं व्यसाइकों और साथियों से दुनियॉ के किसी भी कोने पर आसानी से सम्पर्क कर सकते है किसी भी समय कही भी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की सर्वाधिक अनोखी विशेषता यह है कि इसे समय और स्थान में समायोजित किया जा सकता है इसे ध्यान मे रखते हुये सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने असमामेलित अधिगम्यता (डिजिटल अधिगम्यता) को संभव बनाना है अब छात्र किसी भी समय सुविधानुसार ऑनलाइन अध्ययन पाठ्यक्रम अध्ययन सामग्री को पढ सकते है सूचना ओर संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा आपूर्ति (रेडियों और टेलीवीजन पर शैक्षिक कार्यक्रमो का प्रसारण) से सभी सीखने वाले और अनुदेशक को एक भौतिक स्थान पर होने की आवश्कता समाप्त हो जाती है जबसे सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को एक शिक्षण माध्यम के रूप में उपयोग किया गया है इसने एक त्रुटिहीन प्रेरक साधन के रूप में कार्यकिया है इसमें वीडियों टेलीवीजन मल्टीमीडिया कम्प्यूटर साफ्टवेयर का उपयोग शामिल है जिसमें और रंग निहित है इससे छात्र सीखने की प्रक्रिया में गहराई से जुडते है सही मायनों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी विकास का एक अमूल्य चरण है ।

प्रस्तावना –

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछले कुछ दशकों से तेज गति से अप्रत्याशित विकास हुआ है किन्तु इसके उद्भव और विकास का इतिहास हजारों वर्ष प्राचीन कहा जा सकता है सूचना प्रौद्योगिकी मनुष्य को सोचने विचारने और सम्प्रेषण करने के लिये तकनीकि सहायता उपलब्ध कराती है किन्तु जहा तक सूचनाओ के उद्भव का सम्बन्ध है भाषा के उदय एवं विकास के साथ साथ भाषिक सूचनाओं के उदभव को देखा जा सकता है इसमें यह विशेषता रही थी कि व्यक्ति एवं सूचना में कोई प्रथकता नही थी इस सहायता उपकरण के इतिहास को 5,000 वर्ष पूर्व तबसे देखा जा सकता है जब मनुष्य ने सर्वप्रथम लिखना सीखा लिखने की तकनीकि के उदभव ने जहॉ सूचना का प्रथक अस्तित्व स्थापित किया वही मनुष्य द्वारा सूचना को संग्रहित करने और उसके प्रसार की परंम्परा का प्रारम्भ हुआ सूचना और प्रौद्योगिकी दोनों शब्दों के अर्थ को देखे तो सूचना को अंग्रजी के Information शब्द का हिन्दी रूपांन्तर है इसका शाब्दिक अर्थ है अवगत या सूचित करना जतलाना बतलाना वह बात जो किसी व्यक्ति को किसी विषय का ज्ञान या परिचय कराने के लिये कहीं या बताई जाये अवगत करानी या जताने के लिये कही हुई बात प्रौद्योगिकी कs Tecnology का हिन्दी रूपांन्तर है प्रौद्योगिकी शब्द मनुष्य रूप से दो संदर्भो में प्रयोग किया जाता है इसका संकुचित अर्थ है केवल प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं से सम्बन्धित जिसने हस्तकला और शिल्प को विस्थापित किया है जबकि विस्त्रत अर्थ में यह शब्द सभी पदार्थो के साथ होने वाली सभी प्रक्रियाओं का द्योतक है स्कूलों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) एक केन्द्र प्रायोजित योजना है जो माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को सूचना व संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने उनमें उचित आई सी टी कौशल विकसित कराने और अन्य सम्बन्धित अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिसम्बर 2004 में शुरू की गयी थी योजना का उद्देश्य सामाजिक आर्थिक और भौगोलिक कारणों से पिछड़े छात्र छात्राओं के बीच डिजिटल डिवाइड को कम करना है इस योजना के अन्तर्गत सुस्थिर कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिये राज्यों व संघ शासित प्रदेशो को वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जानी है इस योजना का उद्देश्य केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालयों में स्मार्ट स्कूलों की स्थापना पर पडोस के स्कूली छात्रो के बीच में आइ सी टी कौशल का प्रचार करने के लिये प्रौद्योगिकी प्रदर्शक के रूप में कार्य करना है यह योजना वर्तमान में सरकारी स्कूलों तथा सरकारी सहायता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यवंतित की जा रही है कम्प्यूटर और उसके पुर्जे शेक्षणिक साफ्टवेयर की खरीददारी शिक्षक प्रशिक्षण इन्टरनेट कनेक्टिविटी आदि के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जा रही है राज्यों और संस्थानों को वित्तीय सहायता स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव की अध्यक्षता मे कार्यरत परियोजना निगरानी और मूल्यांकन समूह से अनुमोदन मिलने के बाद प्रदान की जाती है सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) को सार्वभौमिक सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय प्रगति के लिये एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में स्वीकार किया गया है परन्तु आई सी टी तत्परता के स्तरों और उपयोग को उत्पादकता स्तर में असमानता के रूप में देखा जा सकता है जो देश की आर्थिक विकास दर को प्रभावित कर सकता है सामाजिक और आर्थिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत देशों के लिये आई सी टी को समझने और उसके साथ समन्वयन स्थापित करना काफी महत्वपूर्ण है इसके उद्देश्य है आई सी टी के उपयोग को बढावा देने के लिये विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक सरकारी स्कूलों में एक अनुकूल माहौल उत्पन्न कराना इसके लिये उपयोग उपकरणो बृहद स्तर पर उपलब्धता इण्टरनेट कनेक्टविटी और आई सी टी को बढावा देना ।निजी क्षेत्र व स्टेट इन्टीट्यूट आफ एजूकेशनल टकनोलॉजी के माध्यम से अच्छी सूचनाओं की आनलाइन उपलब्धता सुनिश्चित करना शिक्षण व प्रशीक्षण के लिये वर्तमान पाठ्यक्रम व शिक्षण स्वास्थ्य के सर्वधन के लिये सूचना व संचार प्रौद्योगिकी

उपकरणों का उपयोग करना उच्च अध्ययन और लाभकारी रोजगार के लिये जरूरी सूचना प्रौद्योगिकी से जुडी कुशलता प्राप्त करने मे विद्यार्थियों को सक्षम बनाना सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शारीरिक व मान्सिक रूप से विकलांग छात्र छात्राओं के लिये प्रभावी शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना आत्म ज्ञान का विकास कर छात्रों मे महत्वपूर्ण सोच और विश्लेषणात्मक कौशल को बढावा देना यह कक्षा को शिक्षक केन्द्रित स्थल से बदल कर विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षण केन्द्र में बदल देगा दूरस्थ शिक्षा एवं रोजगार प्रदान करने के लिये दृश्य श्रव्य एवं उपग्रह आधारित उपकरणों के माध्यम से सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढावा देना सूचना प्रौद्योगिकी विकास के सामाजिक आयाम भी है जहॉ इन सेवाओ की उपलब्धता सार्वजनिक हित के रूप में विद्यमान है वहॉ इसका प्रसार भी अधिक है परन्तु जब इसमें निवेश की आवश्यकता होती है तब यह सामाजिक संस्तुतिकरण का श्रोत बन जाता है यदि ऐसी एक योजना जोकि विद्यार्थियों के इस निवेश की आवश्यकता को सम्बोधित कर सके तो निश्चय ही सूचना प्रौद्योगिकी के प्रसार मे यह मील का पत्थर साबित होगा बृहद स्तर पर सार्वजनिक निवेश जोकि बॉसबैड सर्वर नेटवर्क आदि आवश्यकताओं के लिये किया जा रहा है वह भी सूचना प्रौद्योगिकी के परिदृश्य के अनुसार पर्याप्त नही है अतः इन सभी संस्थानों के उपभोग हेतु मानव संसाधन को भी समयबद्ध तरीके से प्रशिक्षित करना एक चुनौती है इसके लिये संस्थानों में भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध होने चाहिये निजीकरण के दौर में मुनाफे के उद्देश्य से खोले संस्थानों में यह अपेक्षा करना थोडा मुश्किल है अतः राजकीय निवेश से ही इसका चरण बद्ध विस्तार सम्भव है ।

निष्कर्ष – आज के युग में विद्यार्थी स्वयं इस क्षेत्र की ओर प्रेरित है आवश्यकता है तो सिर्फ मार्गदर्शन की वर्तमान युग में इसके महत्व से विद्यार्थी भलीभॉति परिचित है वे कम्प्यूटरीकरण की प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न नये अवसरों व सहायक कार्यप्रणालियों द्वारा जनित रोजगार के अवसरों से परिचित है परन्तु ये अवसर संक्रमणकाल के परिलक्षण मात्र ही है सही माने में सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा सामाजिक परिवर्तन व मानव गतिविधियों में उसके फलस्वरूप आने वाला परिमार्जन यदि रोजगार के अवसरों को जन्म देता है तभी हम उसे एक स्थाई परिवर्तन की संज्ञा दे सकते है उदाहरण के लिये ए0टी0एम0 का प्रयोग एक स्थाई परिवर्तन है जिसके बिना अब बैकिंग सेवाओं की कल्पना दुष्कर है जबकि रेलवे के टिकट की इण्टरनेट बुकिंग कुलबुकिंग का फिरहाल एक छोटा प्रतिशत ही है अतः यदि विद्यार्थियों में इसके प्रति रूझान को बढावा देना है तो सर्वप्रथम हमे सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयाग दैनिक जीवन से जोड़ना होगा ।

सन्दर्भ

1. सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी और अनुवाद ..... डा0 पूरन चन्द टंडन भारतीय अनुवाद परिषद बंगाली मार्केट नई दिल्ली 110001प्रथम संस्करण 2004

2. साइवर स्पेस और मीडिया सुधीस पचौरी प्रवीण प्रकाशन नईदिल्ली 110030 प्रथम संस्करण 2000

3. इण्टरनेट पत्रकारिता कुमार तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली 110002 प्रथम संस्करण 2004